श्री सत्य महिला महाविद्यालय, भोपाल में

छः दिवसीय "भारतीय संस्कृति एवं अध्यात्म विषयक फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम"

की विस्तृत रिपोर्ट

श्री सत्य साई महिला महाविद्यालय में छः दिवसीय भारतीय संस्कृति एवं अध्यात्म विषयक फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम 28 मई से 2 जून 2024 तक सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

उद्घाटन सत्र I & II

दिनांक – 28.05.2024

प्रथम दिवस

28 मई 2024 सत्र की मुख्य अतिथि के रूप में हमारे बीच IAS डॉ. अनुभा श्रीवास्तव पधारी थीं उन्होंने इस शिविर हेतु अनेक शुभकामनाएं दीं तथा जीवन मूल्यों के प्रति सजग रहने एवं ईश्वर के प्रति कृतज्ञ रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि हम परिवर्तन तो बहुत कुछ चाहते हैं लेकिन वह परिवर्तन हमसे ही प्रारंभ होना चाहिए।, हमें अपनी जड़ों को नहीं भूलना चाहिए। मूल्यों के बिना जीवन का कोई अर्थ नहीं है। जीवन में सीखने और कोशिश करने से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। कभी–कभी अचानक कोई एक क्षण आपका जीवन बदल देता है इसलिए निरंतर स्वयं का आकलन करें पृकृति से जुड़ें। अपने छोटे–छोटे अहं को आड़े न आने दें। जहां आवश्यक हो क्षमा मांगने से न चूकें और अपनी दृष्टि को सदैव सकारात्मक बनाएं।

बीज वक्तव्य में महाविद्यालय शासी परिषद की अध्यक्ष डॉ. मीना पिंपलापुरे ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप यहां जो भी सीखेंगी उसे अपने जीवन में चरितार्थ करना है एवं उसका विश्व में प्रचार–प्रसार भी करना है। भारत विश्व गुरू रहा है। उन्होंने भगवान बाबा के बताए चार सोपान समर्पण, अनुशासन, विवेक और सच्ची लगन के बारे में बताया तथा निःस्वार्थ प्रेम को ही ईश्वरीय प्रेम कहा। महाविद्यालय की निदेशक डॉ. प्रतिभा सिंह ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और कहा कि आज युवाओं को सशक्त होना आवश्यक है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को सही दिशा देंगे। प्राचार्य डॉ.अर्चना श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और बताया कि यह FDP शिक्षकों के लिए अधिक उपयोगी है ताकि हम अपने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और अध्यात्म से रूबरू कर सकें।

सत्र III

विषय – <u>युवाओं की भूमिका पर चर्चा</u> – साई युवा टीम

उद्घाटन सत्र के पश्चात तृतीय सत्र में साई युवा टीम ने युवाओं की भूमिका पर परिचर्चा की तथा उन्हें राष्ट्र की रीढ़ कहा एवं शिक्षकों की राष्ट्र निर्माण में अहं भूमिका की बात कही।

सत्र IV

विषय – 1. परिचयात्मक निर्देश – डॉ..उषा के.नायर

2. वाच शब्द (Watch – work, action, thought and character, heart).

डॉ. उषा के. नायर विशेष कर्तव्य अधिकारी, उच्च शिक्षा विभाग (RUSA) ने प्रथम दिवस से चतुर्थ सत्र में परिचयात्मक निर्देश दिये तथा Watch शब्द पर विस्तार से अपने महत्वपूर्ण विचार रखे। उन्होंने मानवीय मूल्यों, धर्म, प्रेम, शांति, सत्य, अहिंसा पर अधिक जोर दिया।

सत्र V

विषय –अनुभवजन्य शिक्षा – डॉ..उषा के.नायर

डॉ.उषा के.नायर ने अपने उद्‌बोधन में अनुभवजन्य शिक्षा के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की तथा अनुभव को उन्होंने जीवन का बड़ा गुरू बताया उन्होंने कहा कि किताबी ज्ञान के साथ साथ जीवन में अनुभव का बड़ा महत्व है। यह अनुभव ही हमें सत्य से रूबरू कराता है। प्रयोगशाला में जब हम प्रयोग करते

हैं तभी सीख पातें हैं विषय के गूढ़ अर्थ को और सच्चाई को जान पाते हैं।

सत्र VI

विषय –भारत अध्यात्म की जन्मभूमि – श्री सुनील अम्बासेलकर

श्री सुनील अम्बासेलकर ने भारत – 'अध्यात्म की जन्मभूमि विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि हम इसीलिए विशेष हैं क्योंकि हमारा जन्म भारत भूमि में हुआ है और भारत की संस्कृति का मूल बीज है अध्यात्म। यह हमारे जीवन में रचा बसा है। ईश्वर हमारे भीतर ही हैं। वह सरलता से प्राप्त होते है पर सरलता ही कठिन है। स्वामी विवेकानन्द जी ने भी कहा है कि भारतीय संस्कृति की आधारशिला अध्यात्म है।

प्रतिदिन प्रातः शिविर का प्रारंभ ज्योति ध्यान और योग प्राणायाम द्वारा किया गया।

दिनांक –29.05.2024

द्वितीय दिवस

सत्र - I

विषय – थीम सांग – श्रीमती सरगम बहल एवं

श्री सोपान अंबासेलकर

श्रीमती सरगम बहल एवं श्री सोपान अंबासेलकर द्वारा ''भारतीय संस्कृति एवं अध्यात्म'' पर आधरित थीम सांग का सस्वर प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसके बोल हैं साइ अब चितचोर हैं (प्रातः की बेला सुहानी, सांई अब चितचोर हैं .....

सत्र II

विषय :– श्री सत्य साई महिला महाविद्यालय एक झलक – डॉ. नीना अरोरा

महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ. नीना अरोरा ने प्रसेन्टेशन के द्वारा महाविद्यालय की विशेषताओं पर प्रकाश डाला ।

सत्र I I I

विषय –''श्वास, विचार और समय प्रबंधन – श्री विजय सोहनी

''श्वास, विचार और समय प्रबंधन'' विषय पर श्री विजय सोहनी ने दीर्ध जीवन हेतु श्वास लेने का सही तरीका, विचारों पर नियंत्रण करने का अभ्यास तथा सही समय प्रबंधन हेतु अपनी प्राथमिकताएँ तय करने के महत्वपूर्ण सूत्र प्रदान किये।

सत्र IV

विषय –''व्यक्तित्व विकास के मुख्य पहलू''– श्री कपिल खंडेलवाल

''व्यक्तित्व विकास के मुख्य पहलू'' पर श्री कपिल खंडेलवाल ने कहा कि व्यक्तित्व विकास हमारी गतिविधियों पर आधारित है और हमारा कैसा प्रभावशली व्यक्तित्व होना चाहिये ताकि हम अपनी छात्राओं का व्यक्तित्व विकास कर सकें और वे जीवन में सफल हो सकें। इसके मुख्य बिन्दुओं पर व्याख्यान दिया।

सत्र V

विषय –सात्विक आहार (जैसा अन्न वैसा मन) – श्रीमती पुष्पा खंडेलवाल

''सात्विक आहार जैसा अन्न वैसा मन'' विषय पर श्रीमती पुष्पा खंडेलवाल ने शाकाहार एवं शुद्ध तरीके से निर्मित भोजन द्वारा प्राप्त संस्कारों को महत्वपूर्ण बताया।

सत्र VI

विषय – 1. पांच DS डॉ. नम्रता वशिष्ट (कर्तव्य, भक्ति, अनुशासन,विवेक, दृढ़निश्चय,)

2. चार FS डॉ.अनीता अवस्थी (फॉलो द मास्टर, फिनिश द गेम, फाइट टिल द एन्ड, फेद द डेविल)

3. चार S श्रीमती रीता अवस्थी (सेल्फ कॉन्फीडेन्स, सेल्फ सेटिसफेक्शन, सेल्फ सेक्रिफाइस, सेल्फ रियलाइजेशन)

डॉ. नम्रता वशिष्ट ने पांच DS पर चर्चा करते हुए कर्तम्य, विवेक, दृढ़निश्चय, भगवतप्रेम पर बल दिया। **मनुष्य क कर्म ही बीज हैं। अच्छी** फसल के लिए जिस प्रकार अच्छे बीज आवश्यक हैं उसी प्रकार सद्कर्म ही मनुष्य को देवत्व की ओर ले जाते हैं।

डॉ. अनीता अवस्थी ने (चार FS) को साझा करते हुए 1.फॉलो द मास्टर, 2. फिनिश द गेम, 3. फाइट टिल द एंड, 4 फेस द डेविल अर्थात अपने गुरू का अनुसरण करते हुये जब तक अपना लक्ष्य न प्राप्त कर लो, तब तक संघर्षरत रहो। उन्होंने मोक्ष प्राप्ति ही जीवन की संपूर्णता बताया।

श्रीमती रीता अवस्थी ने (SSSS फोर एस पर चर्चा करते हुए 1. सेल्फ कॉन्फिडेंस (आत्मविश्वास), 2. सेल्फ सेटिसफेक्शन (आत्मसंतोष), 3. सेल्फ सेक्रीफाइस (त्याग), 4. सेल्फ रियलाइजेशन (आत्मबोध) के महत्व को समझाया।

सत्र VII

विषय –<u>इस्लाम धर्म, इसाई धर्म की मुख्य विशेषताएं</u> – डॉ. इरम शेख

डॉ. इरम शेख द्वारा इस्लाम धर्म का परिचय दिया गया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि इस्लाम धर्म का आधार प्रेम,और शांति है। एक अच्छा इंसान होना बहुत जरूरी है।

दिनांक 30.05.2024

तृतीय दिवस

सत्र I

विषय –<u>वेद एवं गायत्री मंत्र</u>– श्रीमती सुहाासिनी ऋषि

शिविर के तृतीय दिवस का प्रारंभ वेद एवं गायत्री मंत्र द्वारा हुआ। तत्पश्चात श्रीमती सुहाासिनी ऋषि ने वेद एवं गायत्री मंत्र पर प्रकाश डालते हुए जीवन का नियमित अंग बनाने हेतु प्रेरित करते हुये कहा कि गायत्री वेदों की जननी है। इसे वेदमाता कहा गया है। यह अत्यंत चमत्कारिक मंत्र है। वेद हमें ऋषियों द्वारा सृष्टि के निर्माण के साथ ही प्राप्त हुये हैं। वेद ईश्वर द्वारा रचित है अतः यह अन्ततः, अनादि, नित्य एवं सनातन है।

सत्र II

विषय – <u>स्वामी विवेकानन्द</u> – युवा आइकॉन – कु. नंदिनी झंवर

कु. नंदिनी झंवर ने 'स्वामी विवेकानन्द' – युवा आइकॉन विषयक व्याख्यान देते हुये प्रतिभागियों को` विवेकानन्द द्वारा बताये गये मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हुये कहा कि धर्म और राष्ट्र को सर्वोपरि रखें। अपनी ऊर्जा को व्यर्थ न गंवाएं। विवेकानंद युवा शक्ति के संवाहक थे। युवा पीढ़ी उन्हें प्रेरणास्त्रोत मानकर उनके बताए मार्ग का अनुसरण करें तो व्यक्ति, राष्ट्र और विश्व सभी का कल्याण होगा।

सत्र III

विषय <u>– आध्यात्मिक प्रश्नावली</u> – . पूजा सोनी,, . अनामिका मिश्रा

तत्पश्चात भारतीय संस्कृति एवं अध्यात्म पर आधारित प्रश्नमंच का आयोजन हुआ। जिसमें प्रतिभागियों ने यों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। प्रश्नोत्तरी हेतु पांच टीमो सत्य, धर्म, प्रेम, शांति और अहिंसा का गठन किया गया, जिसमें प्रेम टीम विजेता रही।

प्रश्नमंच के पश्चात भगवान श्री सत्य साईबाबा द्वारा पहला नाटक सच-झूठ पर आधारित लघु फिल्म दिखाई गई। इसी क्रम में लघु फिल्म उम्मीद f**जिसमें, प्रकृति, पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया** तथा दो फिल्मे जनमें **माता-पिता के प्रति सेवा भाव प्रकृति संरक्षण** तथा मन की इच्छाओं पर नियंत्रण का संदेश दिया ।

सत्र IV

विषय –<u>मूल्यप्रद खेल</u> – **श्रीमती जी. शांति**

श्रीमती साधना भावसार

श्रीमती जी. शांति व श्रीमती साधना भावसार ने मूल्यपद **खेलों का** प्रशिक्षण देते हुये खेल के **माध्यम से नैतिक मूल्यों की सीख दी।**

सत्र V

विषय – "<u>भारतीय संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम</u> – श्रीमती नीता मोहगांवकर

"**भारतीय संस्कृति** वसुधैव कुटुम्बकम" विषय पर व्याख्यान देते हुये श्रीमती नीता मोहगांवकर ने वसुधैव कुटम्बकम की परिभाषा देते हुए कहा कि – पृथ्वी हमारा कुटुम्ब है। कुटुम्ब एक इकाई है। कुटुम्ब की सबसे छोटी इकाई दो प्राणी हैं। विस्तार ही जीवन है– उदार चरितनाम, वसुधैव कुटम्बकम"। भारतीय संस्कृति हमें सिखाती है कि पूरे पृथ्वीवासी, प्रत्येक देशवासी एक परिवार हैं। सबके प्रति सम्भाव होना चाहिये।

दिनांक 31.05.2024

चतुर्थ दिवस

सत्र I

विषय '<u>नारीत्व की महिमा</u> – डॉ. रत्ना बोचरे

डॉ. रत्ना बोचरे ने 'नारीत्व की महिमा' विषयक व्याख्यान में नारी और शक्ति को एक दूसरे का पूरक बताया। नारी निर्मात्री है, आदि शक्ति है। नारी ने समाज को श्रेष्ठ जीवन मूल्य प्रदान किये हैं। अनेक महान स्त्रियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने जीवन में सफलता की सही राह चुनने की सीख दी और अपनी मंजिल तक पहुंचने हेतु प्रेरित किया। साथ ही कहा कि **"यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।"**

सत्र. II

विषय **मानसिक स्वास्थ्य एवं शारीरिक फिटनेस** – श्री विजय सोहनी

'' मानसिक स्वास्थ्य एवं शारीरिक फिटनेस'' पर आधरित व्याख्यान में श्री विजय सोहनी जी ने स्वस्थ जीवन हेतु अनेक महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डाला तथा स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा वरदान है। फिट रहने के लिये आहार,, नींद, व्यायाम तथा तनावमुक्त जीवन शैली अपनाना चाहिए। नींद से एकाग्रता आती है, एकाग्रता शक्ति का संचार करती है जिससे नए विचार उत्पन्न होते हैं। नींद पूरी न होना अनेक बीमारियों की जड़ है। उन्होंने कहा कि अपने विचार अवश्य आधुनिक रखें पर जीवन शैली पुरातन हो।

सत्र III

विषय **चरित्र – सही शिक्षा की कसौटी** – डॉ. पुनीता उपाध्याय

चरित्र – सही शिक्षा की कसौटी विषय पर व्याख्यान देते हुए डॉ. पुनीता उपाध्याय ने चरित्र को सच्ची शिक्षा की कसौटी बताया। उन्होंने कहा कि हमारे अन्दर के ज्ञान को बाहर लाने का काम शिक्षा करती है। आहार, विहार और विचार से हमारा चरित्र उजागर होता है। अतः इन पर नियंत्रण हेतु हमें अपनी इंद्रियों को वश में रखना होगा क्योंकि जिन विषयों को हम इंद्रियों के माध्यम से ग्रहण करते हैं, वह हमारे चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं।

सत्र IV

विषय **सफलता की कुंजी** – श्री त्रिभुवन सचदेवा

सफलता की कुंजी विषयक व्याख्यान में श्री त्रिभुवन सचदेवा ने कहा कि जीवन में लक्ष्य का निर्धारण आवश्यक है। बिना लक्ष्य तय किये भटकने की संभावना रहती है तथा हम मंजिल तक नहीं पहुंच पाते। लक्ष्य दो हैं – 1. शॉर्ट टर्म गोल 2.लांग टर्म गोल`। सफलता के लिये लांग टर्म चुने क्योंकि कठिन परिश्रम के बिना जीवन में कुछ भी प्राप्त नहीं होता।

सत्र V

विषय – चार पुरूषार्थ, धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष – डॉ. अपर्णा उपाध्याय इसी क्रम में अगली वक्ता डॉ.अपर्णा उपाध्याय ने चार पुरूषार्थ धर्म, अर्थ, काम,मोक्ष पर व्याख्यान दिया और सनातन धर्म में इसके महत्व को बखूबी समझाया।

सत्र V

विषय **आपदा प्रबंधन** – नीतू पटेल एवं टीम

अगले सत्र में कु. नीतू पटेल एवं टीम ने आपदा प्रबंधन पर समय समय पर काम आने वाली विभिन्न तकनीको से परिचित करवाया। जैसे – चक्रवात, भूकंप, बाढ़ एवं अग्नि से बचने के उपाय बताये तथा प्राथमिक चिकित्सा के गुर भी साझा किये ।

दिनांक 01.06.2024

पंचम दिवस

सत्र I

विषय **उज्जवल भविष्य के लिये पर्यावरण संरक्षण** – श्री लोकेन्द्र ठक्कर, वैज्ञानिक

कार्यक्रम के पंचम दिवस उज्जवल भविष्य के लिये पर्यावरण संरक्षण विषय पर व्याख्यान देते हुये श्री लोकेन्द्र ठक्कर ने प्रकृति का दोहन न करने की सलाह देते हुए कहा कि प्रकृति का संरक्षण हमारा दायित्व है। इसलिये यह भारतीय संस्कृति एवं अध्यात्म का प्रमुख अंग भी है। हमारी धार्मिक गतिविधियों में भी प्रकृति संरक्षण का संदेश सहज रूप से समाहित है।

सत्र II

विषय **सिक्ख धर्म की मुख्य विशेषताएं** – डॉ. चरनजीत कौर

सिक्ख धर्म पर व्याख्यान देते हुये डॉ. चरनजीत कौर ने गुरूग्रन्थ साहिब द्वारा निर्देशित तीन नियम बताए। 1. कीरत करो अर्थात परिश्रम 2. नाम जपो (नाम स्मरण) 3. बंड चखो (बांटकर खाना) 4. अपनी कमाई का दसवां हिस्सा जरूरतमंदों पर खर्च करना। सिक्ख धर्म का लक्ष्य संत सिपाही की रचना जो धर्म एवं भारतीय संस्कृति की रक्षा हेतु पूर्णतया समर्पित हो।

सत्र III

विषय **सिक्ख धर्म, बौद्ध धर्म की मुख्य विशेषताएं** – डॉ. नमिता दुबे

सिक्ख धर्म, बौद्ध धर्म की मुख्य विशेषताएं विषयक व्याख्यान में डॉ. नमिता दुबे ने बौद्ध धर्म के चार सिद्धांत 1. सर्वम् दुखम् 2. सर्व अनात्मं 3. सर्व क्षणिकम् 4. निर्माण से परिचित करवाते हुये मानवता को भी मनुष्य का धर्म बतलाया।

सत्र IV

विषय **आचरण में आदर्शवाद ही नेतृत्व है** – श्री कपिल खंडेलवाल

''आचरण में आदर्शवाद ही नेतृत्व है'' विषय पर श्री कपिल खंडेलवाल ने सही आचरण द्वारा ही नेतृत्व गुण का विकास संभव बताया। सदाचरण ही आदर्श आचरण है और तभी व्यक्ति आदर्शे पर चलकर महात्मा गांधी जी के समान पूरे देश का नेत्त्व किया और देश को आजादी दिला।

सत्र V

विषय <u>सबसे प्रेम सबकी सेवा</u> – डॉ. माधवी पटेल

5. ''सबसे प्रेम सबकी सेवा'' विषय पर व्याख्यान देते हुये डॉ. माधवी पटेल ने प्रेम का महत्व बताते हुये कहा कि प्रेम ही ईश्वर है। प्रेम में त्याग का बहुत बड़ा महत्व है। प्रेम हमारे हृदय को विकसित और आत्मा को जागरूक करता है इसलिये हमें प्रेम से परिपूर्ण जीवन जीना चाहिए।

सत्र V

विषय <u>स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन की ओर</u> – प्रांताध्यक्ष श्री अमित दुबे

अगले सत्र में श्री सत्य साई सेवा संगठन मध्यप्रदेश के प्रांताध्यक्ष श्री अमित दुबे जी ने स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन विषय पर व्याख्यान देते हुये कहा कि परिवर्तन स्वयं से शुरू करें। तभी समाज, देश व विश्व में परिवर्तन संभव है क्योंकि जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि।

दिनांक 2.6.2024 – समापन सत्र

छठवां दिवस

छठवें दिवस भारतीय संस्कृति एवं अध्यात्म विषयक फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम के समापन सत्र में मुख्य अतिथि IPS श्रीमती अनुराधा शंकर सिंह थीं।

इस अवसर पर महाविद्यालय की निदेशक डॉ. प्रतिभा सिंह ने स्वागत भाषण एवं अतिथि सत्कार किया। छः दिवसीय कार्यक्रम का प्रतिवेदन एवं उद्देदश्य महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्चना श्रीवास्तव ने प्रस्तुत किया।

महाविद्यालय शासी परिषद की अध्यक्ष डॉ. मीना पिम्पलापुरे ने आयोजन की सराहना करते हुये कहा कि आप सभी छात्र–छात्राओं में नैतिक मूल्यों का संचार कर भारतीय संस्कृति की रक्षा करें तथा उन्हें सुयोग्य नागरिक बनायें। श्री सत्य साई सेवा संगठन के प्रांताध्यक्ष श्री अमित दुबे जी ने संस्था को शुभकामनाएं देते हुये इसे राष्ट्र हित में बताया व्यक्तित्व विकास अत्यंत आवश्यक है साथ ही उन्होंने ईश्वर को अपने जीवन रूपी विमान का पायलेट बनाने की बात कही।

मुख्य अतिथि डॉ. अनुराधा शंकर सिंह ने सत्य, धर्म, प्रेम, शांति, अहिंसा जैसे रंगों से जीवन को परिपूर्ण करने की बात कही तथा इस कार्यक्रम को अत्यंत लाभकारी बताया। तथा गाँधी जी के विचारों और आदर्शों को अपनाना आज अत्यधिक आवश्यक है इस पर जोर दिया।

आभार प्रदर्शन श्री सत्य साई सेवा संगठन के जिलाध्यक्ष श्री विकास अवस्थी ने किया। संचालन कार्यक्रम संयोजक डॉ. अनीता अवस्थी ने किया। साथ ही संयोजक डॉ. रेनू मिश्रा, उप प्राचार्य श्री सत्य साई महिला महाविद्यालय तथा डॉ. नीना अरोरा, विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान रहीं।

इस शिविर में 100 छात्राओं एवं 40 प्राध्यापकों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय शासी परिषद के सचिव श्री विजय संपत,, श्री जम्बू भंडारी, डॉ. उषा नायर एवं महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्य डॉ. सुधा पाठक उपस्थित रहीं। डॉ.अनीता अवस्थी, सह प्राध्यापक, शिक्षा विभाग ने छः दिन के FDP

के अनुभव साझा किये।

उक्त कार्यक्रम छात्राओं एवं शिक्षकों के लिये अत्यंत लाभप्रद रहा।

प्राचार्या
डॉ.अर्चना श्रीवास्तव

निदेशक
डॉ.प्रतिभा सिंह

प्रति,

कार्यालय आयुक्त,
उच्च शिक्षा, म.प्र.,
सतपुड़ा भवन, भोपाल

विषयः— भारतीय संस्कृति एवं अध्यात्म विषयक फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम की रिपोर्ट प्रस्तुत करने बावत।

संदर्भः— पत्र क्र.1028/230/आउशि/अकादमी/2024, भोपाल दिनांक06.06.2024.

महोदय,

विषयान्तर्गत लेख है श्री सत्य साई महिला महाविद्यालय, भोपाल में दिनांक 28.05.2024 से 02.06.2024 तक आयोजित छः दिवसीय फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम की उपलब्धियों एवं गतिविधियों का विवरण अवलोकनार्थ प्रेषित है।

संलग्न — 1. FDP रिपोर्ट
2. फोटो

प्राचार्या
डॉ.अर्चना श्रीवास्तव

निदेशक
डॉ.प्रतिभा सिंह

श्री सत्य साई महिला महाविद्यालय कस्तूरबा अस्पताल रोड,

हबीबगंज, भोपाल – 462 024 (म.प्र.)

फेकल्टी डेवलपमेन्ट प्रोग्राम
रिपोर्ट

दिनांक 28.05.2024 से 02.06.2024

E-mail : ssswcbhopal@yahoo.co.in

Website : www.srisatyasaiedubpl.org